

रॉबर्ट वैनॉय, प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 28—ईजेकील #4

गोग और मागोग (एजेक 38 और 39)

आधुनिक इज़राइल और ईश्वर के राज्य पर विचार [पहले से ही लेकिन अभी तक नहीं]

मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि इन सहस्राब्दियों के बाद इज़राइल फिर से एक राष्ट्र है। मैं इसकी पूर्ति को ईश्वर की आत्मा के उंडेले जाने के रूप में नहीं देखता। इस समय यह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। यह आउटपोरिंग की पूर्ति की दिशा में आंदोलन की प्रत्याशा में हो सकता है। हालाँकि, यह महत्वपूर्ण है कि इज़राइल अपनी भूमि पर वापस आ गया है।

मुझे लगता है कि कुछ वैध उपयोग हैं जिनके लिए किंगडम शब्दावली का उपयोग किया जा सकता है। ऐसा आभास होता है कि राज्य अब यहाँ है। लेकिन राज्य अपनी संपूर्णता में यहाँ नहीं है, इसलिए वह यहाँ है लेकिन वह यहाँ नहीं है। यह "पहले से ही लेकिन अभी तक नहीं" परिदृश्य है। यह इसका वर्णन करने का उन कुछ युगवादी लोगों की तुलना में बेहतर तरीका है जो कहते हैं कि राज्य यहाँ नहीं है। उनके लिए राज्य पूरी तरह और विशेष रूप से भविष्य में है। यह नए नियम के साथ न्याय नहीं करता है जो राज्य के वर्तमान पहलू की बात करता है। लेकिन निश्चित रूप से एक भविष्य का पहलू है जो अधिक संपूर्ण होने जा रहा है। आपको सावधान रहना होगा कि आप हर चीज़ को समझाने के लिए "पहले से ही लेकिन अभी नहीं" का उपयोग न करें, लेकिन मुझे लगता है कि इस अवधारणा के कुछ वैध उपयोग हैं। हमें व्याख्या के लिए उस दृष्टिकोण की तलाश करनी होगी जिसमें कम से कम आपत्तियाँ हों और फिर भी वह पाठ की आवश्यकताओं के साथ न्याय करता हो। अब, मुद्दा यह है कि इज़राइल की वर्तमान धारणा "पहले से ही" है, लेकिन यह धर्मनिरपेक्ष है और "लेकिन अभी तक नहीं", भविष्यवक्ताओं द्वारा कल्पना की गई आध्यात्मिक इकाई आने वाली है।

यहेजकेल 38 और 39 और प्रकाशितवाक्य 20 का संदर्भ [गोग और मागोग]

अध्याय 38 और 39 के कुछ कथनों को देखने से पहले, क्योंकि वे दोनों काफी लंबे अध्याय हैं, मुझे लगता है कि जहाँ तक ईजेकील की पुस्तक में प्रवाह का सवाल है, यदि अध्याय 36 और 37

में सहस्राब्दी साम्राज्य का संदर्भ है, तो मुझे लगता है कम से कम कुछ महत्व तो यह है कि अध्याय 38 और 39 जो गोग और मागोग के खिलाफ भविष्यवाणी की बात करते हैं, अध्याय 36 और 37 में सहस्राब्दी की दी गई तस्वीर के बाद दिखाई देते हैं।

अध्याय 38, पद 1 कहता है, “ यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा, हे मनुष्य के सन्तान, अपना मुख मागोग देश के गोग की ओर कर जो मेशेक और तूबल का प्रधान है; उसके खिलाफ भविष्यवाणी करो। ” मुझे लगता है कि यह संभव है कि ईजेकील सहस्राब्दी की तस्वीर दे सकता है और फिर वापस जाकर सहस्राब्दी से पहले कुछ बता सकता है। यह संभव है; हम इसे खारिज नहीं कर सकते. लेकिन यह सोचना अधिक स्वाभाविक होगा कि अध्याय 38 और 39 कुछ ऐसा वर्णन करेंगे जो अध्याय 36 और 37 में वर्णित के बाद घटित हुआ होगा।

अब यह कहने के बाद, मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से ध्यान देने योग्य है कि जब आप रहस्योद्घाटन की ओर मुड़ते हैं और अध्याय 20 में सहस्राब्दी के विवरण को देखते हैं, जब आप श्लोक 7 में आते हैं जहां हजार साल समाप्त हो जाते हैं, तो हम पढ़ते हैं, " जब हजार साल पूरे हो गए, शैतान अपनी जेल से रिहा हो जाएगा और पृथ्वी के चारों कोनों में राष्ट्रों को धोखा देने के लिए निकल जाएगा - गोग और मागोग - उन्हें युद्ध के लिए इकट्ठा करने के लिए। संख्या में वे समुद्र के किनारे की रेत के समान हैं। ” इसलिए जब आप प्रकाशितवाक्य अध्याय 20, श्लोक 7 में सहस्राब्दी अवधि के विवरण को देखते हैं, तो यह गोग और मागोग को कुछ इस तरह संदर्भित करता है जो सहस्राब्दी के बाद इस युद्ध के दौरान घटित होता है। उत्पत्ति 10:2 को छोड़कर पवित्रशास्त्र में गोग और मागोग का कोई अन्य संदर्भ नहीं है जहां आपके पास येपेत की वंशावली से एक मागोग है और यह 1 इतिहास 1:5 में वंशावली के समानांतर है जहां मागोग का उल्लेख किया गया है। लेकिन इसके अलावा, यहजेकेल 38 और प्रकाशितवाक्य 20:7 ही एकमात्र संदर्भ हैं।

अब प्रकाशितवाक्य 20:7 में गोग और मागोग के संदर्भ के बावजूद, ऐसे कई व्याख्याकार हैं जो कहेंगे कि ईजेकील 38 और 39 कुछ ऐसा वर्णन करते हैं जो सहस्राब्दी से पहले घटित हुआ था। गोग और मागोग के साथ यह लड़ाई सहस्राब्दी काल से पहले, आर्मागैडन युद्ध के दौरान हुई थी, न कि यह सहस्राब्दी अवधि के बाद आती है।

दूसरे आगमन से पहले एलिसन गोग और मैगोग

पृष्ठ के नीचे, अपने उद्धरणों के पृष्ठ 53 पर एलिसन को देखें। वह कहते हैं, “पवित्रशास्त्र में गोग और मागोग के केवल दो उल्लेख हैं। यहाँ, वह यहजेकेल 38 है, और प्रकाशितवाक्य में, और जब तक इसके विपरीत बहुत ठोस तर्कों का उल्लेख नहीं किया जाता है, हमें बाद वाले को पूर्व की व्याख्या करने देना चाहिए। दूसरे शब्दों में, वह क्या कह रहा है, आप जानना चाहते हैं कि ईजेकील 38 और 39 में क्या वर्णित किया गया है, प्रकाशितवाक्य 20 उसे सही ढांचे में रखता है। गोग को दूसरे आगमन से पहले रखना और फिर राज्य युग के अंत में राष्ट्रों के अंतिम विद्रोह को जोड़ना - जैसा कि स्कोफील्ड बाइबिल में है - इसे दोनों तरीकों से करने का एक नाजायज प्रयास लगता है। आम दृष्टिकोण का एकमात्र वास्तविक आधार यह है कि ये अध्याय दूसरे आगमन से पहले अपनी पूर्ति देखते हैं, यहजेकेल 39:21-29 में है। हालाँकि, इन छंदों को यहजेकेल के इस पूरे खंड के संदेश के सारांश के रूप में देखना कहीं अधिक संतोषजनक है।

अब, माना कि, यदि आप यहजेकेल 39:21-29 को देखें, तो ऐसा प्रतीत होता है कि वहाँ वर्णित घटनाएँ सहस्राब्दी काल से पहले की हैं। आप देख रहे हैं कि एलिसन का सुझाव यह है कि छंद 21-29 ईजेकील के इस पूरे खंड का एक सारांश है, और मुझे लगता है कि यह एक समापन भाग है। जब आप श्लोक 40 पर पहुँचते हैं, तो यहाँ आप पुस्तक के एक नए खंड में होते हैं। इसलिए अध्याय 39 एक समापन सारांश है जो पूरे खंड पर नज़र डालता है जिससे यह समाप्त होता है।

मैं पृष्ठ 54 के शीर्ष पर एलिसन के उद्धरण को जारी रखता हूँ, "यदि हम गोग को सहस्राब्दी के अंत में रखते हैं, तो हमें इस बात की ज्यादा चिंता नहीं होगी कि नामों का क्या अर्थ है। उनका उल्लेख जेएच लैंग की नई बाइबिल टिप्पणी में और स्कोफील्ड बाइबिल के एक बयान में किया गया है कि 'प्राथमिक संदर्भ रूस के नेतृत्व वाली यूरोपीय शक्तियों के लिए हैं। उन कई लोगों के अलावा जिन्होंने रोश को रूस के साथ पहचानने से हमेशा इनकार किया है, आधुनिकतावादियों के बीच एक मजबूत प्रवृत्ति है, उदाहरण के लिए, पुरानी हिब्रू मैसोरेटिक परंपरा की ओर लौटने की क्योंकि यह इस मार्ग का अधिकृत संस्करण के साथ अनुवाद करता है। खैर, यह पद 2 का संदर्भ है। हम बाद में इस पर और अधिक विस्तार से विचार करेंगे।

यहेजकेल 38:2 रोश का मुख्य राजकुमार या राजकुमार, आप देखते हैं कि राजा जेम्स कहता है, "मेशोक और तूबल का मुख्य राजकुमार"; एनआईवी "मेशोक और तुबल के मुख्य राजकुमार"; एनएसवी में है, "रोश, मेशोक और ट्यूबल का राजकुमार," जैसा कि नई अंग्रेजी बाइबिल में है। हैल लिंगसे ने इसे पढ़ा, "रोश, मेशोक और ट्यूबल का मुख्य राजकुमार।" आप देखते हैं कि यह हिब्रू *नेसी रोश से आया है*। प्रश्न यह है: क्या *नेसी रोश को* "रोश के राजकुमार" के रूप में लिया जाना चाहिए, या "रोश" को "प्रमुख," "प्रमुख राजकुमार," "मुख्य राजकुमार" के रूप में लिया जाना चाहिए। क्या यह एक उचित नाम है, "रोश का राजकुमार," या यह "मेशोक और तुबल के मुख्य राजकुमार" का एक वर्णनात्मक शब्द है। तो इसका संबंध इस बात से है कि आप *रोश का अनुवाद कैसे करते हैं*। क्या आप इसका अनुवाद व्यक्तिवाचक संज्ञा "रोश" के रूप में करते हैं या आप इसका अनुवाद "मुख्य राजकुमार" के रूप में करते हैं। हम उस पर बाद में वापस आएंगे, लेकिन आप देख सकते हैं कि एलिसन क्या कह रहा है: इसे "रोश के राजकुमार" के बजाय "मुख्य राजकुमार" के रूप में अनुवाद करने की एक मजबूत प्रवृत्ति है।

प्रकाशितवाक्य 20:8

जब हम पाते हैं कि सभी नाम तत्कालीन ज्ञात विश्व के सीमांत पर जनजातियों के हैं, गोग और मागोग, मेशोक और ट्यूबल, पूर्वी फारस, दक्षिण कुश और पूत - वे नाम जो इस खंड में आते हैं - तो यह अधिक संभावना बन जाती है कि हम प्रतीकात्मक उपयोग से निपट रहे हैं जैसा कि प्रकाशितवाक्य 20:8 उन राष्ट्रों को बुलाकर करता है जो पृथ्वी के चारों कोनों में हैं। यदि हम सहस्राब्दी की अवधारणा को पृथ्वी पर ईश्वर के शासन के रूप में स्वीकार करते हैं, जब शैतान बंधा हुआ है, और अभिशाप हटा लिया गया है, और इज़राइल पृथ्वी पर आशीर्वाद के केंद्र में है, तो हम इस नए नियम के आलोक में पूरी भविष्यवाणी को कैसे समझ सकते हैं। ? ऐसे किसी भी आक्रोश, या ईश्वर के विरुद्ध विद्रोह के लिए क्या जगह है? यह प्रश्न अक्सर सहस्राब्दी दृष्टिकोण पर आपत्ति के रूप में पूछा जाता है। एलिसन कहते हैं, कि, "धर्मग्रन्थ हमें दिखाते हैं कि सभी युगों में, अज्ञानता और ज्ञान की सभी विभिन्न परिस्थितियों के साथ, मनुष्य ने अपनी इच्छा ईश्वर के विरुद्ध रखी है और असफल रहा है। पुराने नियम का अधिकांश हिस्सा इसराइल के बच्चों की विफलता के बारे में

सिखाता है और आखिरकार, यह जकेल का संदेश है। आप इसे विशेष रूप से अध्याय 16, 20 और 23 में देखते हैं।

गोग और मागोग और सहस्राब्दी पर विचार, नया नियम हमें चर्च में परेशानी की शुरुआत से परिचित कराता है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि वे बेहतर होने के बजाय बदतर होते जायेंगे। यहां भी ईश्वर के रहस्यमय उद्देश्य में, संगठन की जीत और विफलताओं के साथ-साथ, मनुष्य की विफलता का अंतिम प्रमाण उसकी प्रतिक्रिया है जब उसे सबसे अनुकूल स्थिति में रखा जाता है। यद्यपि ईश्वर का पवित्र स्थान मनुष्य के पास है, यद्यपि अभिशाप प्रकृति से हटा लिया गया है, यद्यपि प्रलोभन देने वाला, ईश्वर का शत्रु, बंधा हुआ है, फिर भी जब अवसर मिलता है, तो इतने सारे लोगों के दिलों में गहरा बैठा विद्रोह एक ही बार में स्पष्ट हो जाता है .

मैं नहीं जानता कि क्या हमें गोग और मागोग नामों को प्रतीकात्मक रूप से उन लोगों के रूप में समझना है जिन्होंने यरूशलेम में केंद्रित ईश्वर की महिमा से दूर रखा है, या क्या यह सबसे पहले पिछली व्यवस्था के उन लोगों को संदर्भित करता है जो सीधे तौर पर ईश्वर के परीक्षण के संपर्क में नहीं आए हैं। . किसी भी मामले में, 38:4 के बीच कोई विरोधाभास नहीं है, जहां भगवान को गोग को उसके विनाश की ओर खींचने के रूप में चित्रित किया गया है और प्रकाशितवाक्य 20:8, जहां शैतान को राष्ट्रों के धोखेबाज के रूप में चित्रित किया गया है। मनुष्य को अवश्य परखना चाहिए अन्यथा यह स्पष्ट नहीं होगा कि उसमें क्या है। शैतान एक इच्छुक उपकरण है जिसके द्वारा परीक्षण किया जाता है। ”

तो एलिसन वहां जो करता है वह सहस्राब्दी अवधि के लिए तर्कसंगत है और यह मुझे अच्छा लगता है। या आप इस पूरे दृष्टिकोण के संबंध में पूछ सकते हैं कि सहस्राब्दी काल का उद्देश्य क्या है यदि यह फिर से विद्रोह में समाप्त होने जा रहा है? मुझे लगता है कि यह फिर से चित्रित करता है कि भले ही मनुष्य सबसे अच्छी परिस्थितियों में है, जब तक कि पाप अंततः नष्ट नहीं हो जाता है, और उसके साथ शैतान, और जो लोग प्रभु में विश्वास नहीं करते हैं उन्हें आग की झील में डाल दिया जाता है, वहाँ हमेशा रहेगा विद्रोह का मौका. ऐसा कहा जा सकता है कि यह इसका अंतिम प्रमाण है। लेकिन किसी भी स्थिति में, एलिसन अध्याय 38 और 39 को उस वर्णनात्मक के रूप में देखेंगे

जो सहस्राब्दी काल के बाद घटित होने वाला है, जो मुख्य रूप से प्रकाशितवाक्य 20, श्लोक 7 में समानांतर संदर्भ पर आधारित है।

आज इस परिच्छेद का एक बहुत लोकप्रिय उपचार यह है कि हैल लिंगसे ने *द में इसका वर्णन कैसे किया है* अध्याय 5 में *स्वर्गीय महान ग्रह पृथ्वी*। मुझे पता है कि आप उस उद्धरण से परिचित हैं। लेकिन वह गोग और मागोग को सहस्राब्दी के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले की घटना के रूप में देखता है। आपने देखा कि पद 2बी के इन अनुवादों पर, यह दिलचस्प है कि वह इसे दोनों तरीकों से लेता है। उसके पास "रोश का मुख्य राजकुमार" है। समस्या यह है कि आपको या तो "मुख्य राजकुमार" या "रोश का राजकुमार" रखना होगा। अधिकतर अन्य अनुवाद *नेसी रोश* के लिए "मुख्य राजकुमार" या "रोश के प्रमुख" के बीच भिन्न होते हैं। अपने उद्धरणों में पृष्ठ 55 को देखें, पृष्ठ के मध्य में लिंगसे के नीचे। वह कहते हैं, "सदियों से, वर्तमान घटनाओं के दुभाषियों के विचारों को प्रभावित करने से बहुत पहले, लोगों ने माना है कि उत्तरी कमांडर के बारे में ईजेकील की भविष्यवाणी रूस को संदर्भित करती है। डॉक्टर जॉन कॉन्स्टेंस, 1864 में लिखते हुए कहते हैं, 'उत्तर में यह राज्य मैं इसे रूस के हस्ताक्षर के रूप में देख सकता हूँ क्योंकि रूस एक ऐसे स्थान पर है जहां भविष्यवाणी शब्द को उन सभी व्याख्याताओं द्वारा स्वीकार किया गया है।' सबूत क्या है? "यहेजकेल मागोग देश के गोग के इस उत्तरी सेनापति, मुख्य राजकुमार, रोश, मेशेक और तूबल के शासक का वर्णन करता है। यहेजकेल 38:2 इस सेनापति और उसके लोगों की जातीय पृष्ठभूमि बताता है। दूसरे शब्दों में, भविष्यवक्ता उत्तरी कमांडर का वंश वृक्ष देता है ताकि हम इन जनजातियों के उस आधुनिक राष्ट्र में प्रवास का पता लगा सकें जिसे हम जानते हैं। गोग राष्ट्र के नेता का प्रतीकात्मक नाम है और मागोग उसकी भूमि है। वह प्राचीन लोगों का राजकुमार भी है जिन्हें रोश, मेशेक और तुबल कहा जाता है।" पृष्ठ 56 के शीर्ष पर, "विलियम गेसेनियस, 19^{वें} महान हिब्रू विद्वान सी एन्ट्री, अपने नायाब हिब्रू व्याकरण में इन शब्दों पर चर्चा करती है। उनका कहना है कि मेशेक मोस्की के संस्थापक थे; मोस्की लोग पहाड़ों में रहते थे। यह विद्वान आगे कहता है कि हिब्रू नाम मेशेक से लिया गया ग्रीक नाम मॉस्को शहर के नाम का स्रोत है। ट्यूबल पर चर्चा करते हुए, वह कहते हैं कि ट्यूबल काला सागर और मोस्की के पश्चिम में रहने वाले लोगों के रथ संस्थापक का पुत्र है। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि ये लोग आधुनिक रूसी लोगों का निर्माण करते

हैं।

रोश पर लिंडसे [प्रमुख/राजकुमार या स्थान का नाम] कॉन्ट्रा कील साक्ष्य की इस पंक्ति में विचार करने के लिए एक और नाम है - वह हिब्रू शब्द "रोश" है जिसका अनुवाद किंग जेम्स संस्करण में ईजेकील 38 में "प्रमुख" के रूप में किया गया है। हिब्रू में इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है, किसी चीज़ का "शीर्ष" या "सिर"। अधिकांश विद्वानों के अनुसार इस शब्द का प्रयोग उचित नाम के अर्थ में किया जाता है, न कि "राजकुमार" शब्द को परिभाषित करने वाली वर्णनात्मक संज्ञा के रूप में। जर्मन विद्वान केइल का कहना है कि सावधानीपूर्वक व्याकरणिक विश्लेषण के बाद इसका उचित नाम "रोश" के रूप में अनुवाद किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि बीजान्टिन और अरबी लेखक बार-बार उन लोगों का उल्लेख कर रहे थे जिन्हें वे रोश कहते थे, रोश वृषभ के देश में रहते थे, और सीथियन जनजातियों में गिने जाते थे। डॉक्टर गेसेनियस का कहना है कि रोश उस पड़ोस में रहने वाले टॉरस पहाड़ों के उत्तर में रहने वाली जनजातियों के लिए एक पदनाम था। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि इस नाम और जनजाति में हमारा पहला कथन है कि रोश रूसी राष्ट्र है। तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि लिंडसे क्या करती है; वह इसे सहस्राब्दी से पहले रखता है और इस भविष्यवाणी को रूस से जोड़ता है। बेशक, शीत-युद्ध की स्थिति और पिछले 15 वर्षों में मध्य पूर्व में रूस के आंदोलन के साथ, कई लोगों को यह एक मजबूर व्याख्या नहीं लगती है।

ध्यान दें कि तीसरे से आखिरी पैराग्राफ में, वह कहते हैं कि जर्मन विद्वान केइल रोश का उचित नाम के रूप में अनुवाद करते हैं। पृष्ठ 55 देखें; मेरे पास केइल में वह पैराग्राफ है। यह दिलचस्प है कि केइल क्या कहता है क्योंकि लिंडसे उसे केवल आंशिक रूप से उद्धृत करती है। मुझे नहीं पता कि हमें पूरा पैराग्राफ पढ़ने की जरूरत है या नहीं, लेकिन अंत में बात यहीं तक पहुंचती है: "गोग को आगे रोश, मेशेक और ट्यूबल के राजकुमार के रूप में वर्णित किया गया है। यह सच है कि इवाल्ड एक्विला, टारगम और जेरोम का अनुसरण करता है जो 'रोश' को *नेसी के साथ* 'मुख्य राजकुमार' के अर्थ में एक अपीलीय के रूप में जोड़ता है। लेकिन इस स्पष्टीकरण का समर्थन करने के लिए इस्तेमाल किया गया तर्क, अर्थात् पुराने नियम में या जोसीफस द्वारा उल्लेखित रोश नाम का कोई भी व्यक्ति नहीं है, बहुत कमजोर है। बीजान्टिन और अरबी लेखकों

ने अक्सर रोश नामक लोगों का उल्लेख किया है, जो टॉरस देश में और सीथियन जनजातियों के बीच रहते थे। ताकि रोश लोगों के अस्तित्व पर सवाल उठाने का कोई कारण न रह जाए।”

लेकिन फिर वह यहीं पर अपनी बोली बंद कर देता है। हालाँकि, अगले कथन पर ध्यान दें: "भले ही इस नाम को "रोश और मेशेक" के संयोजन के रूप में समझाकर रोश जैसे लोगों का पता लगाने का प्रयास किया गया हो, लेकिन यह केवल संदिग्ध है कि रूसियों का नाम जुड़ा हुआ है इस रोश के साथ।" दूसरे शब्दों में, कील कहते हैं, रोश लोगों का एक पदनाम हो सकता है, लेकिन वह जो कहते हैं, उसका रूस से कोई लेना-देना नहीं है। वह यह बात काफी दृढ़ता से कहते हैं। उनका कहना है कि यह सुझाव संदिग्ध है कि रूसियों का नाम रोश से जुड़ा है। अब, मुझे लगता है कि लिंडसे को उस हिस्से को उद्धृत करना उचित नहीं लगा क्योंकि वह जिस तरह से इसकी व्याख्या कर रहे हैं, यह उसके बिल्कुल विपरीत होगा।

3.डी.3. अलेक्जेंडर ऑन रोश (जेट्स आर्टिकल) देखिए, 3. डी. 3. हेडिंग आरएच अलेक्जेंडर्स, *ईजेकील* इन द एक्सपोजिटर्स बाइबल कमेंटरी, पेज 122 के तहत। इसमें कहा गया है, “कुछ लोग रोश का मतलब आधुनिक रूस समझते हैं लेकिन इस पहचान का कोई आधार नहीं है। ऐसा विचार रखने वाले आम तौर पर दो शब्दों के बीच सुनने में समान ध्वनियों के आधार पर व्युत्पत्ति की अपील करते हैं। लेकिन ऐसी व्युत्पत्ति संबंधी प्रक्रिया भाषाई दृष्टि से बिल्कुल भी सही नहीं है। रूस शब्द 11 वीं शताब्दी ईस्वी के उत्तरार्ध का शब्द है।” तो रूस 11 वीं शताब्दी ईस्वी के उत्तरार्ध का शब्द है और भाषाई रूप से यहां रूस को रोश से जोड़ने का कोई आधार नहीं है।

ट्यूबल और मेशेक पर लिंडसे को यामूची की प्रतिक्रिया आपकी ग्रंथ सूची में भी ध्यान दें, मेरे पास एडविन यामूची के अंतर्गत दो प्रविष्टियाँ हैं। एक जेट्स लेख "मेशेक, ट्यूबल एंड कंपनी" से है, जो एक समीक्षा लेख है, और दूसरी एक पुस्तक है जिसका नाम फ़ोज़ फ़ॉर्म *द नॉर्दर्न फ़्रंटियर: इनवेडिंग होर्ड्स फ़ॉर्म द रशियन स्टेप्स* है, जिसे 2004 में पुनर्मुद्रित किया गया था, जहां उनका एक लंबा लेख है इन नामों की चर्चा लेकिन अपने उद्धरणों में पृष्ठ 56 के निचले भाग को देखें, कुछ सामग्री पहले जेट्स लेख से और फिर पुस्तक से लें। मेशेक और ट्यूबल दो नाम हैं जो श्लोक 2 में

आते हैं। मैं कह सकता हूँ कि लिंडसे ट्यूबल को टोबलेह, एक रूसी शहर और मेशच को मास्को से जोड़ती है। तो आपके पास लिंडसे का कहना है कि रोश रूस में है और मेशच और ट्यूबल माँस्को और टूबलेह रूस में है। लेकिन ध्यान दें कि यामूची क्या कहता है, “येपेत के पुत्रों के रूप में मेशक और तुबल उत्पत्ति 10:2 और 1 इतिहास 1:5 की सूची में सबसे विवादास्पद नाम हैं। यदि उनके नाम केवल इन सूचियों में होते, तो उनकी पहचान केवल एक शैक्षणिक मुद्दा होती। लेकिन यहजेकेल 27:13, 32:26, 38:2, और 39:1 में भविष्यसूचक अंशों में नाम दोहराए गए हैं। यहजेकेल 38:2 में "रोश के प्रमुख" के लिए हिब्रू शब्द को सेप्टुआजेंट द्वारा उचित नाम "रोश" के रूप में लिप्यंतरित किया गया था, जिससे इस व्यापक धारणा को बढ़ावा मिला कि रूस का इरादा था। कस्टेंस के अनुसार, यह देखा जा सकता है कि *नेसी रोश*, जिसे इस मार्ग में मुख्य राजकुमार के रूप में अनुवादित किया गया है, सिथिया के निवासियों को दर्शाता है जिनसे रूसियों ने अपना नाम प्राप्त किया। इवान द टेरिबल के समय तक रूस को मोस्कोव के नाम से जाना जाता था, उस समय यह मेशच के साथ जुड़ गया। इतिहास में बहुत बाद में हमें मेशच शब्द मोस्कोव के रूप में मिलता है। यह संभव है कि दो प्रसिद्ध शहर माँस्को और टोबलेह अभी भी मेशच और ट्यूबल नाम सुरक्षित रखें।” यह उसी तरह का विचार है जिसे लिंडसे ने प्रचारित किया था।

अब, यामूची की टिप्पणी है कि “इन आधारहीन पहचानों ने दुर्भाग्य से स्कोफील्ड बाइबिल में पहले और दूसरे संस्करण के संदर्भों में कई चैनलों के माध्यम से इंजील दुनिया में व्यापक लोकप्रियता हासिल की है। उत्पत्ति 10:2 और यहजेकेल 38:2 में इस पर ध्यान दें। यह दृष्टिकोण हैल लिंडसे की बेहद लोकप्रिय पुस्तक *द लेट ग्रेट प्लैनेट अर्थ* और कई परिसरों में कैपस क्रूसेड इवेंजेलिकल जोश मैकडॉवेल के व्याख्यानों में भी व्यक्त किया गया है। ऐसी पहचान को कायम रखना सतही समानता पर आधारित है। यह इस तरह से पूरी तरह से अस्थिर है कि एक क्यूनिफॉर्म पाठ का स्पष्ट प्रमाण जो मध्य और पूर्वी अनातोलिया में मुशकु, बाइबिल मेशक और ताबेल, बाइबिल के ट्यूबल का पता लगाता है, वह तुर्की है। “मुस्की हिती साम्राज्य के माध्यम से कायम रहा, और टाइग्लथपिलेसर I ने ऊपरी टाइग्रिस के क्षेत्र में उनमें से 20,000 का सामना किया। अशुर्नसुरपाल को मुचकी से उपहार मिले, जिसकी राजधानी अज़ाका थी, जो आधुनिक पूर्वी अनातोलिया में शास्त्रीय सीज़ेर था। 863 ईसा पूर्व में, शल्मनेसर ने 732 ईसा पूर्व में सिलिसिया और ट्यूबल के

उत्तर क्षेत्र में तबेल पर हमला किया जब राजा ने अपेक्षित श्रद्धांजलि नहीं दी। साइरस द्वारा अनातोलिया पर विजय प्राप्त करने के बाद, 546 ईसा पूर्व, और उसके बाद डेरियस के तहत पुनर्गठन, मुश्की और ताबेल के अवशेष आबादी के ग्रीक नामों में देखे जा सकते हैं जो पूर्वोत्तर अनातोलियस के 19^{वें} क्षेत्र, मोस्की में शामिल थे। और तिबेरेनी।”

यह इंजील विद्वता पर एक प्रतिबिंब है जब वह रूस के रूप में रोश की निराधार पहचान, और मास्को के साथ मेशे और टोबेल के साथ ट्यूबल के संबंध की बात करता है, "जब हमारे पास उन पर समान पाठ और चर्चाएं हैं जिन्होंने सही स्पष्टीकरण प्रदान किया है 19^{वीं} सदी के अंत में इन नामों में से। यह सच है कि इनमें से कुछ अध्ययन फ्रेंच में थे या उन कार्यों में थे जो आसानी से सुलभ या व्यापक रूप से वितरित नहीं हैं, लेकिन कम क्षमा योग्य हैं और ईजेकील मार्ग पर आलोचनात्मक टिप्पणी की अज्ञानता की संकीर्ण दृष्टि का अधिक संकेत देते हैं, जब हमारे पास सही पर प्रत्यक्ष जानकारी होती है। मेशक और ट्यूबल की व्याख्या।

फिर अपनी पुस्तक *फ़ोज़ फ़ॉर्म द नॉर्दर्न फ्रंटियर* में उन्होंने कहा है कि हालांकि गोग और मागोग की पहचान अभी भी विवादित है, मेशे और ट्यूबल की पहचान लंबे समय से संदेह में नहीं है। इन नामों को मास्को और ट्यूबल के साथ जोड़ने वाले सभी औपचारिक अनुमान अस्थिर हैं। मेशे और ट्यूबल नाम ग्रीक इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा पूर्वी अनातोलिया की जनजातियों के रूप में संरक्षित हैं। जोसेफस को भी उनके स्थान के बारे में पता था। 19^{वीं} सदी के उत्तरार्ध से, असीरियन ग्रंथ उपलब्ध हैं जो क्रमशः मध्य और पूर्वी अनातोलिया में मुश्तु और ट्यूबल का पता लगाते हैं।

इसलिए मुझे लगता है कि हमें उस दृष्टिकोण के बारे में सावधान रहना होगा जब वह ईजेकील 38 में एक ऐसी भविष्यवाणी देखता है जिसकी वर्तमान में मध्य पूर्व में रूसी भागीदारी द्वारा आशंका जताई जा रही है, जो ईजेकील 38 की एक लोकप्रिय प्रकार की व्याख्या रही है, खासकर जब यह उस तरह पर आधारित है आधार का।

मिलेनियम से पहले और उसके बाद अलेक्जेंडर की दोहरी पूर्ति अब, जिस एक्सपोजिटर अलेक्जेंडर का मैंने उल्लेख किया है, जिसने एक्सपोजिटर बाइबिल कमेंटरी में ईजेकील का काम किया था, उसने जेट्स 1974 में ईजेकील 38-39 पर एक लेख भी लिखा था। अलेक्जेंडर इसे दोहरी

पूर्ति के रूप में देखता है। जेट्स में पृष्ठ 168 पर वे कहते हैं, “निस्संदेह पाठक इस खंड से भ्रमित हो सकते हैं। यह निश्चित रूप से प्रतीत होता है कि लेखक द्वारा दो अलग-अलग पदों को मंजूरी दी गई है। उनका कहना है कि बिल्कुल यही प्रस्ताव पेश किया गया है। ईजेकील में दर्ज घटनाओं का पूरा विवरण , प्रेरित जॉन ने केवल प्रकाशितवाक्य 19 और 20 में दोनों के विवरण का सारांश दिया है क्योंकि पाठक यहजेकेल 38 और 39 से परिचित होंगे। एक तरीके को छोड़ते हुए, वह कहते हैं, “बहु-पूर्ति का व्याख्यात्मक सिद्धांत यह घोषणा करता है कि किसी दी गई भविष्यवाणी का एक अर्थ दो या दो से अधिक तरीकों से लागू होता है। एक निकट और एक दूर की पूर्ति, दो निकट की पूर्ति, या दो दूर की पूर्ति हो सकती है। उत्तरार्द्ध यहां प्रस्तावित है। यह दो दूर की पूर्णताएं हैं। यहजेकेल 38 और 39 की कई पूर्तियाँ हैं: एक, जानवर की मृत्यु, प्रकाशितवाक्य 19:17-21 में शैतान का मुख्य साधन, और दो, शैतान का अंतिम पतन - वह गोग जो इज़राइल का सर्वोच्च शत्रु है परमेश्वर के चुने हुए लोगों से इज़राइल की भूमि को पुनः प्राप्त करने का अंतिम प्रयास करता है। एकाधिक पूर्ति इज़राइल के अंतिम और सबसे बड़े दुश्मनों - जानवर और शैतान दोनों के साथ समान घटनाओं पर केंद्रित है - जो भूमि पर कब्ज़ा करने के लिए इज़राइल को हराना चाहते हैं। दोनों घटनाएँ प्रभु द्वारा अग्रेषित हैं। पूर्व एक अर्थ में उत्तरार्द्ध का पूर्वरूपण करता है। इसलिए, गोग प्रकाशितवाक्य 19 में जानवर और प्रकाशितवाक्य 20 में शैतान दोनों को संदर्भित करता है। इन खातों का समय क्लेश के अंत और सहस्राब्दी की शुरुआत के बीच है। पहली पूर्ति क्रमशः सहस्राब्दी से पहले और दूसरी सहस्राब्दी के बाद होती है।

वन्नॉय की प्रतिक्रिया तो यह किसी ऐसे व्यक्ति का उदाहरण है जो इसे दोनों तरीकों से देखता है: सहस्राब्दी से पहले और उसके बाद। लेखक का मानना है कि ईजेकील 38-39 पवित्रशास्त्र के सबसे कठिन ग्रंथों में से एक है और इसे एकाधिक पूर्ति की अवधारणा द्वारा हल किया गया है। लेकिन इसे खारिज किया जाना चाहिए। एकमात्र स्पष्ट विकल्प यह है कि अध्यायों में से प्रकाशितवाक्य 19 या प्रकाशितवाक्य 20 को यहजेकेल की भविष्यवाणी की पूर्ति के रूप में घोषित किया जाए और पुष्टि की जाए कि शेष अध्याय यहजेकेल 38-39 का केवल एक संकेत या सादृश्य

है। मैं इसमें नहीं पढ़ना चाहता उसका विवरण लेकिन वह आपकी ग्रंथ सूची में आरएच अलेक्जेंडर और जेट्स लेख था।

मिशेल ली द्वारा लिखित,
अंतिम संपादन डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा,
पुनः वर्णन डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा